बृहस्पतिवार
34 साल से देहरादून का विश्वास
10 सितम्बर 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 229
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com
Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

भालू के हमले में देवरानी-जेठानी की मौत

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के पोखरी के नैल के सिदेली गांव में जिन देवरानी-जेठानी की भालू के डर से खाई में गिरकर मौत हुई है उनका आपसी प्रेम प्रेरणादायक है। जहां देवरानी लक्ष्मी देवी और जेठानी विमला देवी के बीच का अटूट प्रेम और आपसी तालमेल आज के समय में पूरे समाज के लिए एक मिसाल बन गया है। जहां आमतौर पर आज के दौर में देवरानी-जेठानी के बीच अनबन या तनातनी देखने को मिलती है, वहीं इन दोनों का रिश्ता आपसी सहयोग और सद्भाव की अनूठी मिसाल पेश करता था. उनके परिवार भले ही अलग-अलग थे, लेकिन वे हर काम में एक-दूसरे का साथ निभाती थीं और अक्सर खेतों व जंगलों में साथ ही जाती थीं। यह दुखद घटना शुक्रवार की है जब जंगल में काम के दौरान एक भालू ने विमला देवी पर अचानक हमला

कर दिया. ऐसे संकट के समय लक्ष्मी देवी ने अपनी जान बचाने की बजाय जेठानी को बचाने का साहसिक प्रयास किया. उन्होंने विमला देवी का हाथ पकड़कर उसे भालू के चंगुल से छुड़ाने की पूरी कोशिश की, जिसके बाद गुस्से में आए भालू ने लक्ष्मी देवी पर भी हमला कर दिया और दोनों संतुलन बिगड़ने के कारण चट्टान से नीचे जा गिरीं।

अस्पताल ले जाते समय विमला देवी की रास्ते में ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल लक्ष्मी देवी ने भी हायर सेंटर श्रीनगर ले जाते वक्त दम तोड़ दिया। इस दर्दनाक हादसे ने पूरे सिदेली गांव और क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। एक तरफ जहां यह घटना दोनों के बीच के उस सच्चे प्रेम को बयां करती है जहां जान की बाजी लगा दी गई, वहीं दूसरी तरफ इस हादसे से पूरे इलाके में भालू के आतंक के कारण भारी दहशत का माहौल है।

दूनघाटी में पीजी का 'काला' कारोबार

◆बिना लाइसेंस व मानकों की अनदेखी के आरोपों ने खड़े किए हैं सवाल

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून में पढ़ाई और रोजगार के लिए आने वाले युवाओं के लिए पीजी आवास बड़ी जरूरत बन चुके हैं, लेकिन इसी जरूरत ने एक बड़े कारोबार का रूप ले लिया है। शहर के कई इलाकों में मकानों और व्यावसायिक भवनों को पीजी में तब्दील कर दिया गया है। सवाल अब सिर्फ किराये और सुविधाओं का नहीं, बल्कि इन पीजी की वैधता, अग्निसुरक्षा, भवन क्षमता, पुलिस सत्यापन और संचालकों की जवाबदेही का है। पीजी कारोबार में बड़ी रकम घूम रही है, लेकिन इसके समानांतर यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या हर संचालक जरूरी अनुमति और सुरक्षा मानकों का पालन कर रहा है? हालिया रिपोर्टों में देहरादून के कई पीजी में अग्निसुरक्षा से जुड़े नियमों की अनदेखी की शिकायतें सामने आई हैं। इनमें पर्याप्त निकासी व्यवस्था, अग्निशमन उपकरण और अन्य सुरक्षा उपायों को लेकर सवाल उठाए गए हैं।

राजधानी के शिक्षण संस्थानों और रोजगार केंद्रों के आसपास पीजी की मांग लगातार बनी हुई है। इसका सीधा फायदा संचालकों को मिलता है। एक ही भवन में कई कमरों को किराये पर देकर संचालक

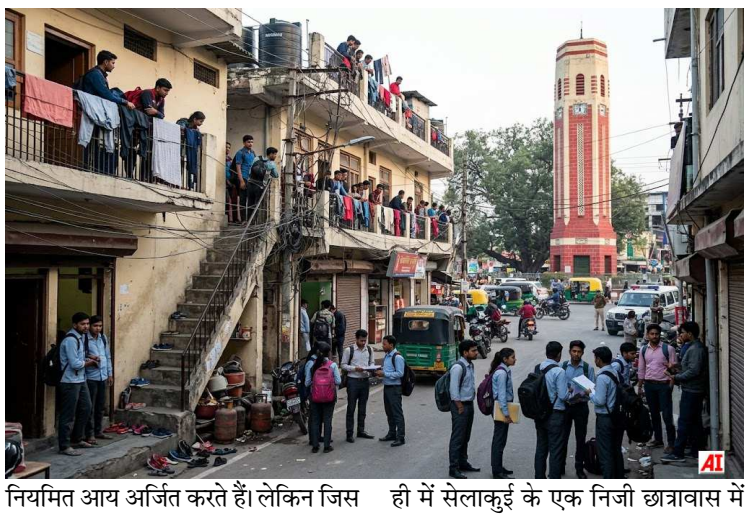

नियमित आय अर्जित करते हैं। लेकिन जिस भवन में दर्जनों युवक-युवतियां रह रहे हों, वहां फायर सेफ्टी, विद्युत सुरक्षा, आपातकालीन निकास, भवन की क्षमता और पुलिस सत्यापन जैसे मानक महज कागजी औपचारिकता नहीं हो सकते। सबसे बड़ा सवाल यही है कि जिस पीजी में एक साथ बड़ी संख्या में लोग रह रहे हैं, उसकी सुरक्षा जांच आखिरी बार कब हुई?

पीजी में सुरक्षा की अनदेखी का खतरा केवल चोरी या अपराध तक सीमित नहीं है। आग, गैस रिसाव, शार्ट सर्किट अथवा भवन संबंधी दुर्घटना की स्थिति में भीड़भाड़ वाले भवन गंभीर खतरा बन सकते हैं। हाल ही में सेलाकुई के एक निजी छात्रावास में आग की घटना के बाद अग्निशमन विभाग की जांच में अनिवार्य अग्निशमन अनापत्ति प्रमाणपत्र नहीं होने तथा स्मोक डिटेक्टर और स्प्रिंकलर जैसी व्यवस्थाओं के अभाव की बात सामने आई थी। यह घटना राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में संचालित छात्रावासों तथा पीजी की सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक जांच की जरूरत को सामने लाती है। सरकार और प्रशासन का रुख यह रहा है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले आवासीय और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की जाएगी। देहरादून पुलिस ने अगस्त में प्रेमनगर क्षेत्र के पीजी और हास्टलों में चेकिंग अभियान चलाया। संचालकों को रहने वालों का शत-प्रतिशत पुलिस सत्यापन कराने और सीसीटीवी लगाने के निर्देश दिए गए। बाहरी लोगों के प्रवेश तथा अन्य गतिविधियों पर भी निगरानी बढ़ाने को कहा गया। प्रशासन और सीसीटीवी से पूरी समस्या का समाधान नहीं होगा। भवन सुरक्षा, अग्निसुरक्षा, स्वच्छता, विद्युत व्यवस्था, आपातकालीन निकास और किरायेदारों के रिकार्डकृसभी की एक साथ जांच जरूरी है। राजधानी में पीजी अब महज मकान किराये पर देने

◆छात्र-छात्राओं से मोटी रकम वसूलने वाले संचालकों पर निगरानी कितनी
◆पुलिस की चेकिंग में सत्यापन और सीसीटीवी, पीजी नेटवर्क की चुनौती
◆सवाल यह कि राजधानी में कितने पीजी वास्तव में मानकों पर खरे उतरते

इससे पहले दूसरे तरह के आवासीय व्यवसायों में भी कार्रवाई कर चुका है। मई 2026 में मानकों के विपरीत संचालित 96 होमस्टे के पंजीकरण निरस्त किए गए थे। निरीक्षण में कई जगह अग्निशमन उपकरणों की कमी जैसी खामियां भी मिली थीं।

सवाल यह है कि यदि होमस्टे के मामले में निरीक्षण और पंजीकरण निरस्तीकरण की कार्रवाई हो सकती है तो राजधानी के पीजी नेटवर्क की भी संयुक्त सुरक्षा जांच क्यों न हो?

प्रशासन को यह स्पष्ट करना होगा कि देहरादून में कितने पीजी संचालित हैं, इनमें से कितने पंजीकृत हैं, कितनों के पास जरूरी अग्निसुरक्षा स्वीकृति है और कितने भवन अपनी स्वीकृत क्षमता के अनुरूप छात्रों को आवास दे रहे हैं। सिर्फ पुलिस सत्यापन का मामला नहीं रह गया है। यह हजारों विद्यार्थियों और कामकाजी युवाओं की सुरक्षा से जुड़ा विषय है। इसलिए प्रशासन को पीजी संचालकों की सूची सार्वजनिक करने, नियमित निरीक्षण कराने और मानकों का उल्लंघन मिलने पर नोटिस से लेकर सीलिंग तक की कार्रवाई का स्पष्ट तंत्र बनाना चाहिए। क्योंकि सवाल सिर्फ यह नहीं कि पीजी से कितना पैसा कमाया जा रहा है। असली सवाल यह है कि उस पैसे के बदले वहां रहने वालों को कितनी सुरक्षा दी जा रही है। सरकार के सामने चुनौती यही है। राजधानी में पीजी कारोबार चले, लेकिन नियमों की कीमत पर नहीं।

बता दें कि उत्तराखंड हाईकोर्ट ने जुलाई

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

दून वैली मेल

संपादकीय

उम्मीदों की नई कसौटी

आठवें केंद्रीय वेतन आयोग को लेकर केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की उम्मीदें लगातार बढ़ रही हैं। सरकार ने नवंबर 2025 में आठवें वेतन आयोग का गठन किया था और आयोग को वेतन, भत्तों, पेंशन तथा सेवा शर्तों की समीक्षा कर सिफारिशें देने की जिम्मेदारी दी गई है। आयोग को गठन के बाद 18 महीने में अपनी रिपोर्ट देनी है। सामान्य तौर पर वेतन आयोगों की सिफारिशों का प्रभाव दस वर्ष के अंतराल पर लागू होने की परंपरा रही है और आठवें आयोग के मामले में भी एक जनवरी 2026 से प्रभावी होने की संभावना का उल्लेख सरकार ने किया है। हालांकि वास्तविक लाभ और उसकी तारीख अंतिम सिफारिश तथा सरकार की मंजूरी पर निर्भर करेगी। यहीं से असली सवाल शुरू होता है। क्या आठवां वेतन आयोग केवल वेतन बढ़ाने का माध्यम बनेगा या चार दशक पुराने वेतन-निर्धारण के ढर्रे में भी कोई बुनियादी बदलाव करेगा? आज कर्मचारी जिस महंगाई, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजमर्रा के खर्च का सामना कर रहा है, उसकी तुलना दशकों पुराने वेतन-निर्धारण के नजरिये से नहीं की जा सकती। इसलिए कर्मचारी संगठनों की मांगें भी केवल मूल वेतन बढ़ाने तक सीमित नहीं हैं। फिटमेंट फैक्टर, न्यूनतम वेतन, वार्षिक वेतनवृद्धि, भत्तों और पेंशन की संरचना में बदलाव की मांगें आयोग के सामने पहुंच रही हैं। आयोग ने कर्मचारियों, पेंशनभोगियों, संगठनों और अन्य हितधारकों से सुझाव भी मांगे थे। लेकिन यहां सरकार की अपनी मजबूरियां भी हैं। वेतन आयोग की सिफारिशों का असर केवल केंद्र सरकार के कर्मचारियों की जेब पर नहीं पड़ता, बल्कि केंद्र के राजकोष और कई मामलों में राज्यों के वित्त पर भी पड़ता है। सरकार ने आयोग के लिए आर्थिक परिस्थितियों, राजकोषीय अनुशासन, विकास और कल्याणकारी योजनाओं के लिए संसाधनों की उपलब्धता तथा सिफारिशों के राज्यों की वित्तीय स्थिति पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखने को कहा है। इसलिए तोहफा और अधिकार के बीच संतुलन जरूरी है। कर्मचारियों को बेहतर वेतन मिलना चाहिए, लेकिन ऐसा वित्तीय ढांचा भी बने जो लंबे समय तक टिकाऊ हो। सबसे संवेदनशील सवाल पेंशन का है। आठवें वेतन आयोग की मौजूदा शर्तों में एक जनवरी 2026 से पहले सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन पुनरीक्षण को लेकर स्पष्टता की मांग उठ रही है। पेंशनभोगी संगठनों ने सरकार से इस विषय को स्पष्ट रूप से आयोग के दायरे में शामिल करने की अपील की है। यह मांग महज आंकड़ों का सवाल नहीं है। जिस कर्मचारी ने तीन-चार दशक सरकारी सेवा में लगाए हैं, उसकी सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक सुरक्षा भी सरकार की जिम्मेदारी का हिस्सा है। नई व्यवस्था बनाते समय पुराने पेंशनभोगियों को हाशिये पर छोड़ देना सामाजिक न्याय की भावना के अनुरूप नहीं होगा। इसके साथ ही यह भी साफ होना चाहिए कि वेतन आयोग के नाम पर केवल बड़ी संख्या दिखाने वाली घोषणाएं न हों। वास्तविक आय कितनी बढ़ेगी, महंगाई के मुकाबले उसका असर कितना होगा, भत्तों की संरचना क्या होगी और पेंशनभोगियों को क्या मिलेगा। इन सवालों का जवाब जरूरी है। आठवां वेतन आयोग इसलिए एक अवसर है। सरकार चाहे तो इस मौके पर वेतन निर्धारण की पुरानी विसंगतियों को दूर कर सकती है, वेतन संरचना को अधिक तार्किक बना सकती है और कर्मचारियों तथा पेंशनभोगियों के बीच लंबे समय से चली आ रही असमानताओं पर निर्णायक फैसला ले सकती है। लेकिन इसका दूसरा पहलू भी है। सरकार को ऐसी सिफारिशों से बचना होगा जो तत्काल राजनीतिक लोकप्रियता तो दें, लेकिन भविष्य में राजकोषीय दबाव बढ़ाएं। कर्मचारियों को राहत और अर्थव्यवस्था की मजबूतीकृदोनों साथ चलने चाहिए। आठवें वेतन आयोग की असली परीक्षा वेतन कितना बढ़ा, इससे नहीं होगी। परीक्षा इस बात की होगी कि क्या उसने वेतन-व्यवस्था को अधिक न्यायपूर्ण, पारदर्शी और भविष्य के अनुरूप बनाया। अगर चार दशक पुराना कोई नियम या ढर्रा वास्तव में बदलता है तो वह बदलाव केवल केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन की खबर नहीं होगा। वह देश की सरकारी सेवा व्यवस्था को नए दौर के अनुरूप ढालने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। कर्मचारियों को सिर्फ तोहफा नहीं, न्यायपूर्ण वेतन व्यवस्था चाहिए और सरकार को सिर्फ घोषणा नहीं, ऐसी व्यवस्था देनी होगी जिसका लाभ आज भी दिखे और कल भी टिके।

मुख्यमंत्री ने श्री महालक्ष्मी अष्टभुजा मंदिर में की पूजा-अर्चना

संवाददाता

हल्द्वानी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद नैनीताल भ्रमण के दौरान बरेली रोड स्थित श्री महालक्ष्मी अष्टभुजा मंदिर, बेरीपड़ाव में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने माँ महालक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त कर प्रदेश एवं देशवासियों की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने प्रदेश की निरंतर प्रगति और जनकल्याण के लिए भी प्रार्थना की। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट, सांसद अजय भट्ट, अनिल बलूनी, कैबिनेट मंत्री रामसिंह कैड़ा, विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं श्रद्धालु उपस्थित थे।

युवा शक्ति के सामर्थ्य से बनेगा विकसित उत्तराखंडः धामी

संवाददाता

हल्द्वानी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि युवा शक्ति के सामर्थ्य से विकसित उत्तराखण्ड बनेगा।

आज यहां भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हल्द्वानी में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में सहभागिता कर युवाओं से संवाद किया। इस दौरान करियर, रोजगार, उद्यमिता, कौशल विकास, तकनीक, खेल और उत्तराखंड के भविष्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। संवाद के दौरान युवाओं ने प्रदेश एवं देश के विकास से जुड़े विषयों पर राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री से सवाल पूछे। युवाओं ने सरकार की विभिन्न योजनाओं को लेकर अपने अनुभव साझा किए तथा रोजगार, स्वरोजगार और प्रदेश में बेहतर अवसरों की उपलब्धता को लेकर सुझाव भी रखे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की युवा शक्ति के सामर्थ्य को नई दिशा देने के साथ ही युवाओं के लिए नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया और खेलो इंडिया जैसी पहलों ने युवाओं को अपनी प्रतिभा, क्षमता और कौशल के अनुरूप आगे बढ़ने का मंच दिया है। आज का युवा केवल रोजगार प्राप्त करने वाला नहीं, बल्कि रोजगार और नए अवसरों का सृजन करने वाला भी बन रहा है। उन्होंने कहा कि बदलती अर्थव्यवस्था और तकनीक के दौर में युवाओं की भूमिका लगातार बढ़ रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्टार्टअप, नवाचार, डिजिटल तकनीक और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में संभावनाओं के नए द्वार खुले हैं। उत्तराखंड के युवा प्रतिभा और क्षमता से भरपूर हैं। उनकी ऊर्जा और सामर्थ्य को प्रदेश के विकास से जोड़कर उत्तराखंड को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है।

नवीन ने कहा कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में स्थानीय स्तर पर रोजगार, स्वरोजगार, पर्यटन, कौशल विकास और उद्यमिता के अवसरों को बढ़ाना महत्वपूर्ण है। युवाओं के विचार, सुझाव और आकांक्षाएं प्रदेश के भविष्य की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने युवाओं से भविष्य की चुनौतियों को अवसरों में बदलने तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया आज एक सशक्त माध्यम है और युवाओं को इसका सकारात्मक उपयोग देश एवं समाज के विकास के लिए करना चाहिए। विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए 140 करोड़ देशवासियों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने युवाओं से राजनीति एवं सार्वजनिक जीवन में आगे आकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जीवन में समय प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण है और सफलता के लिए समय का सदुपयोग आवश्यक है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है। भारत की विशाल युवा आबादी आज देश को नई ऊर्जा, नई सोच और नया सामर्थ्य प्रदान कर रही है। तकनीक और नवाचार के बढ़ते उपयोग से युवाओं के लिए संभावनाओं के नए द्वार खुले हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों के क्षेत्र में भी उत्तराखंड तेजी से नई पहचान बना रहा है। राज्य में खेल अवस्थापना सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है।

भाजपा ने 'महामंथन' में परखी मिशन-2027 की 'बिसात'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव-2027 की उलटी गिनती के बीच हल्द्वानी भाजपा के महामंथन का केंद्र बन गया है। प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के बाद पार्टी की प्रदेश कोर कमेटी में संगठन की ताकत, चुनावी तैयारियों और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों को लेकर मंथन ने साफ संकेत दिया है कि भाजपा अब चुनावी मोड में तेजी से आगे बढ़ रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की मौजूदगी ने बैठक की अहमियत और बढ़ा दी है। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और संगठन के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में हुई बैठकों में पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती सरकार के कामकाज को चुनावी मुद्दे में बदलना और संगठन की जमीन को बूथ तक मजबूत रखना है। प्रदेश कार्यसमिति में मुख्यमंत्री, प्रदेश पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष और विभिन्न मोर्चों-प्रकोष्ठों के पदाधिकारी शामिल हुए।

हल्द्वानी को बैठक के लिए चुनना अपने आप में राजनीतिक संदेश माना जा रहा है। कुमाऊं की राजनीति में भाजपा की पकड़ मजबूत रही है, लेकिन कांग्रेस लगातार क्षेत्रीय मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश कर रही है। ऐसे में भाजपा नेतृत्व का हल्द्वानी में बैठकर चुनावी तैयारियों की समीक्षा करना संगठन के लिए महत्वपूर्ण है। पार्टी पहले ही सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में कोर कमेटियों के गठन और स्थानीय मुद्दों, बूथ प्रबंधन तथा सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने की रणनीति पर काम शुरू कर चुकी है। यानी अब चुनाव की तैयारी केवल प्रदेश मुख्यालय तक सीमित नहीं रहने वाली। हर विधानसभा, हर मंडल और हर बूथ को चुनावी रणनीति का हिस्सा बनाने की कवायद तेज होगी।

◆कोर कमेटी में संगठन से लेकर चुनावी रणनीति तक मंथन, सियासी जमीन मजबूत करने पर जोर
◆भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की मौजूदगी में प्रदेश नेतृत्व ने खंगाली चुनावी तैयारी
◆बूथ से लेकर विधानसभा स्तर तक संगठन की सक्रियता पर नजर, भाजपा का शक्ति प्रदर्शन अहम

हल्द्वानी में यह बैठक ऐसे समय हुई है जब रामलीला मैदान के शुद्धिकरण को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक टकराव तेज है। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर भाजपा पर विभाजनकारी राजनीति का आरोप लगा रही है, जबकि भाजपा की ओर से कांग्रेस पर राजनीतिक और धार्मिक भावनाओं को मुद्दा बनाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। ऐसे माहौल में राष्ट्रीय अध्यक्ष का हल्द्वानी पहुंचना केवल संगठनात्मक कार्यक्रम नहीं माना जा रहा। भाजपा के लिए यह कुमाऊं की राजनीतिक जमीन पर अपने कार्यकर्ताओं को स्पष्ट दिशा देने का अवसर भी है। दूसरी तरफ कांग्रेस के लिए चुनौती यह है कि वह इस विवाद को व्यापक जनमुद्दे में बदल पाती है या नहीं।

भाजपा के सामने 2027 में सबसे बड़ा सवाल सत्ता विरोधी माहौल को रोकने का होगा। सरकार विकास, रोजगार, निवेश, चारधाम, बुनियादी ढांचे और जनकल्याणकारी योजनाओं को अपनी उपलब्धियों के रूप में सामने रखेगी। विपक्ष बेरोजगारी, पलायन, महंगाई, कानून-व्यवस्था और स्थानीय मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में है। इसलिए कोर कमेटी की बैठक में केवल संगठन की समीक्षा पर्याप्त नहीं होगी। सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने और विपक्ष के आरोपों का राजनीतिक जवाब देने की रणनीति भी चुनावी सफलता का आधार बनेगी।

भाजपा की चुनावी रणनीति में बूथ प्रबंधन हमेशा से अहम रहा है। इस बार भी पार्टी का जोर बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने पर है। विधानसभा क्षेत्रवार कोर कमेटियों का गठन इसी रणनीति का हिस्सा है। अब सवाल यह है कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

शक्ति संगम में युवतियों ने लिया राष्ट्र निर्माण में भागीदारी का संकल्प

हरिद्वार(आरएनएस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने शक्ति संगम सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें 14 से 29 वर्ष की युवतियों ने भाग लिया और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया। मंत्री ने शिक्षा और स्वास्थ्य को सशक्तीकरण का आधार बताते हुए महिलाओं के अधिकारों और जिम्मेदारियों पर जोर दिया।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से जिला स्तरीय युवती सम्मेलन 'शक्ति संगम' का आयोजन किया गया। इसमें जिलेभर से 14 से 29 वर्ष की सैकड़ों युवतियों ने भाग लिया और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। ऋषिकुल परिसर में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रही हैं। युवा महिला शक्ति के जागृत और संगठित होने से ही सशक्त एवं आत्मनिर्भर राष्ट्र का निर्माण संभव है। सरकार महिलाओं के स्वावलंबन और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।मुख्य वक्ता प्रो. ममता सिंह ने कहा कि युवतियों को अधिकारों के साथ अपने सामाजिक दायित्वों के प्रति भी सजग रहना होगा। 14 से 29 वर्ष की आयु ऊर्जा से भरपूर होती है, जिसका उपयोग राष्ट्रहित में किया जाना चाहिए। विशिष्ट अतिथि डॉ. कल्पना चौधरी ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य युवतियों के सशक्तीकरण की पहली सीढ़ी हैं। कार्यक्रम अध्यक्ष समाजसेवी अर्चना जैन ने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाने और जरूरतमंदों की मदद करने का आह्वान किया। वक्ता सरिता सिंह ने कहा कि नारी शक्ति भारतीय संस्कृति का आधार रही है। युवतियों को सांस्कृतिक जड़ों से जुड़कर आधुनिक दौर में अपनी पहचान बनानी चाहिए।

राजकीय विद्यालयों में दक्षता आधारित आकलन संपन्न

अल्मोड़ा (आरएनएस)। जनपद के सभी राजकीय विद्यालयों में दक्षता आधारित आकलन आयोजित किया गया। इसमें कक्षा दो, पांच और आठ के छात्र-छात्राओं की अधिगम उपलब्धियों का मूल्यांकन किया गया। आकलन का उद्देश्य भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले 'परख' मूल्यांकन के लिए विद्यार्थियों और विद्यालयों की तैयारियों को मजबूत करना है। मुख्य शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) के प्राचार्य के निर्देशन में आयोजित इस आकलन के लिए प्रश्नपत्रों का निर्माण डायट फैकल्टी द्वारा किया गया। परीक्षा के दौरान डायट फैकल्टी, बीआरपी, सीआरपी, खंड शिक्षा अधिकारियों और उप शिक्षा अधिकारियों ने विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर मॉनिटरिंग की। आकलन के बाद उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन संबंधित विद्यालयों के शिक्षक स्वयं करेंगे। प्राप्त अंकों को विद्या समीक्षा केंद्र द्वारा विकसित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अपलोड किया जाएगा। इसके बाद परिणामों का विस्तृत विश्लेषण कर आगामी आकलनों के लिए कार्ययोजना तैयार की जाएगी। जिन विषयों या दक्षताओं में विद्यार्थियों की उपलब्धि अपेक्षाकृत कम रहेगी, वहां सीखने की कमियों को दूर करने के लिए उपचारात्मक शिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग-2027 में भागीदारी के लिए युवाओं से आगे आने का आह्वान

अल्मोड़ा(आरएनएस)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से आयोजित किए जा रहे विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग (वीबीवाईएलडी)-2027 में अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला युवा अधिकारी कमल त्रिपाठी ने पत्रकार वार्ता आयोजित की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्तर का आयोजन 10 से 12 जनवरी 2027 तक नई दिल्ली में होगा, जिसका उद्देश्य युवाओं को 'विकसित भारत @2047' के विजन से जोड़ते हुए उनके विचार, नवाचार और नेतृत्व क्षमता को राष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा भाग ले सकते हैं। इसके तहत विकसित भारत चैलेंज, कल्चरल ट्रैक, डिजाइन फॉर भारत, हैक फॉर सोशल कॉज, यूथ एंटरप्रेन्योर्स चैलेंज और यूथ पार्लियामेंट सहित छह प्रमुख ट्रैक निर्धारित किए गए हैं। कमल त्रिपाठी ने बताया कि विकसित भारत चैलेंज के अंतर्गत क्विज, निबंध, जिला स्तरीय चैंपियनशिप, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता और राष्ट्रीय स्तर तक चरणबद्ध चयन प्रक्रिया होगी। क्विज प्रतियोगिता का आयोजन 17 अगस्त से 30 सितंबर 2026 तक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड को हिमालयन फ्रंटियर रीजन (हिमवंत जागृति) के अंतर्गत शामिल किया गया है, जिसका मुख्य विषय क्लाइमेट सिक्योरिटी, बॉर्डर्स एंड सस्टेनेबल माउंटेन डेवलपमेंट निर्धारित किया गया है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

वर्षों का इंतजार और अंतहीन दर्द

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 की तारीख का अभी ऐलान भी नहीं हुआ है, लेकिन प्रदेश के कई इलाकों में स्थानीय समस्याओं को लेकर चुनाव बहिष्कार की चेतावनियां सामने आने लगी हैं। सड़कों से लेकर पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार तक के सवालों पर नाराजगी अब सिर्फ शिकायतों तक सीमित नहीं रहना चाहती। गांवों और क्षेत्रों में उठती यह आवाज राजनीतिक दलों के लिए समय रहते चेतावनी भी है और आने वाले चुनाव का संकेत भी। राजनीतिक दल भले ही 2027 की चुनावी तैयारियों में जुटे हों, लेकिन जनता के एक हिस्से का सवाल सीधा है। जब पांच साल में समस्याएं दूर नहीं हुईं तो चुनाव के समय फिर वोट मांगने क्यों आएंगे?

◆विधानसभा चुनाव का बिगुल बजने से पहले जनता का मूड सख्त
◆2027 से पहले उत्तराखंड के गांवों में चुनाव बहिष्कार की गूंज
◆मूलभूत समस्याओं के दर्द से उपजा अविश्वास बना जनता का हथियार
◆सड़क नहीं तो वोट नहीं के नारों से सुलग उठी की चुनावी सियासत

स्थानीय स्तर पर सड़क, स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल, पेयजल, बिजली, रोजगार और पलायन जैसे मुद्दे वर्षों से उठते रहे हैं। कई जगह ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के सामने मांगें रखीं, ज्ञापन दिए और आंदोलन किए। जब समाधान नहीं मिला तो अब चुनाव बहिष्कार को दबाव के हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की चेतावनी दी जा रही है। यह स्थिति राजनीतिक दलों के लिए इसलिए गंभीर है क्योंकि चुनाव बहिष्कार का नारा अक्सर किसी एक दल के खिलाफ नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र के प्रति नाराजगी को दर्शाता है।

उत्तराखंड में सड़क और पलायन का सवाल नया नहीं है। गांव खाली हो रहे हैं, युवा रोजगार के लिए शहरों की ओर जा रहे हैं और कई दूरस्थ क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की कमी अब भी बड़ी चुनौती है। कहीं सड़क नहीं तो कहीं सड़क बनी है लेकिन बरसात में बंद हो जाती है। कहीं अस्पताल की इमारत है लेकिन विशेषज्ञ चिकित्सक नहीं। कहीं स्कूल है लेकिन पर्याप्त शिक्षक नहीं। ऐसे में विकास के बड़े दावों और स्थानीय हकीकत के बीच पैदा हुआ अंतर जनता की नाराजगी को बढ़ा रहा है। यही अंतर 2027 के चुनाव में सत्ता और विपक्ष दोनों के लिए सबसे बड़ा सवाल बन सकता है।

भाजपा सरकार अपनी उपलब्धियों के साथ जनता के बीच जाने की तैयारी कर रही है, जबकि कांग्रेस सरकार की कमियों को चुनावी मुद्दा बनाने में जुटी है। लेकिन चुनाव बहिष्कार की चेतावनियां दोनों दलों के लिए असहज करने वाली हैं। क्योंकि यदि जनता का एक वर्ग यह मानने लगे कि उसकी समस्याएं सत्ता बदलने से भी नहीं बदलेंगी, तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति भरोसे का संकट पैदा होता है। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि चुनाव केवल पोस्टर, रैलियों और नारों का आयोजन नहीं है। चुनाव से पहले जनता के बीच जाकर यह सुनना भी जरूरी है कि उसके गांव और मोहल्ले की सबसे बड़ी समस्या क्या है।

चुनाव बहिष्कार की चेतावनी लोकतंत्र के लिए अच्छी खबर नहीं मानी जा सकती। लोकतंत्र में वोट जनता की सबसे बड़ी ताकत है। लेकिन जब जनता वोट न देने की बात करने लगे तो इसे केवल राजनीतिक धमकी मानकर खारिज करना भी खतरनाक होगा। इस आवाज के पीछे छिपे सवालों को सुनना होगा। क्यों लोग नाराज हैं? किस समस्या का समाधान नहीं हुआ? किस वादे पर भरोसा टूटा? और पांच साल बाद भी वही मुद्दा क्यों खड़ा है? इन सवालों के जवाब राजनीतिक दलों को चुनावी घोषणापत्र से पहले देने होंगे।

विधानसभा चुनाव की तारीख घोषित होने में अभी वक्त है। राजनीतिक दल टिकट, गठबंधन और बूथ प्रबंधन में उलझने से पहले अगर जनता के इस शुरुआती संदेश को पढ़ लें तो शायद चुनाव के समय बहिष्कार की नौबत न आए। क्योंकि मतदान केंद्र तक पहुंचने से पहले ही यदि जनता सवाल लेकर सड़क पर उतर रही है, तो यह सिर्फ चुनावी नाराजगी नहीं। सत्ता और व्यवस्था के लिए चेतावनी की घंटी है। 2027 का चुनाव किसके पक्ष में जाएगा, यह बाद की बात है। फिलहाल बड़ा सवाल यह है कि चुनाव की तारीख आने से पहले ही जनता क्यों कह रही है। पहले काम, फिर वोट।

डुंडु में अवैध खनन के विरोध में ग्रामीणों का प्रदर्शन

पिथौरागढ़(आरएनएस)। डीडीहाट तहसील के डुंडु क्षेत्र में अवैध खनन का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर कलक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने प्रशासन से क्षेत्र में हो रहे अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाने और मामले में कार्रवाई करने की मांग की।

नगर के टकाना पहुंचे डुंडु के ललित मोहन पंत ने बताया कि क्षेत्र में वर्ष 2021 से खनन कार्य बंद है, लेकिन पिछले चार माह से पोकलैंड और जेसीबी मशीनों के माध्यम से धड़ल्ले से अवैध खनन किया जा रहा है। जीपीएस मैपिंग कर प्रमाण सहित अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन इसके बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। खनन के कारण घरों के आसपास जमीन में दरारें आने लगी हैं और भूस्खलन तथा जमीन धंसने का खतरा बढ़ गया है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि खनन क्षेत्र के बेहद करीब कई आवासीय भवन, होटल और दुकानें स्थित हैं। कुछ मकान खनन स्थल से महज 15 मीटर की दूरी पर हैं, जबकि कई अन्य घर 35 से 40 मीटर की दूरी पर स्थित हैं।

खनन क्षेत्र से करीब 20 मीटर की दूरी पर पौराणिक मंदिर और 80 मीटर की दूरी पर प्राथमिक विद्यालय स्थित है। जीआईसी छड़नदेव की दूरी करीब 90 मीटर है, खनन मशीनों के शोर से विद्यालय में विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

कहा कि खनन पर रोक नहीं लगाई गई तो जमीन धंसने से आसपास के घर और दुकानें मलबे की चपेट में आ सकती हैं।

बेस अस्पताल के ईएनटी विभाग में आधुनिक सुविधाओं से मिल रहा तृतीयक उपचार

अल्मोड़ा(आरएनएस)। राज्य सरकार की प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की पहल का उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों तक तृतीयक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। इसी दिशा में बेस अस्पताल, खल्याड़ी का ईएनटी (नाक, कान एवं गला) विभाग अल्मोड़ा, बागेश्वर और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है।

विभाग में मरीजों की विस्तृत श्रवण जांच के लिए ओएई (ओटोअकॉस्टिक एमिशन) और बीईआरए (ब्रेनस्टेम इवोक्ड रिस्पॉन्स ऑडियोमेट्री) जैसी अत्याधुनिक जांच सुविधाएं उपलब्ध हैं। साथ ही आधुनिक ईएनटी वर्कस्टेशन के माध्यम से कान, नाक और गले की एंडोस्कोपिक जांच की जा रही है, जिससे रोगों की शुरुआती अवस्था में पहचान और उपचार संभव हो रहा है। इससे मरीजों को कम खर्च में बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल रही है। विशेषज्ञों के अनुसार गले और मुंह की अंदरूनी सतह के कैंसर के मामलों में राज्य में लगातार वृद्धि हो रही है। शराब और तंबाकू का सेवन इसके प्रमुख कारणों में शामिल है।

पहले एंडोस्कोपिक जांच की सीमित सुविधा के कारण कई मरीजों का समय पर निदान नहीं हो पाता था, लेकिन अब बेस अस्पताल में सिर एवं गर्दन के ट्यूमर और कैंसर का समय रहते पता लगाकर आवश्यकतानुसार बायोप्सी, सर्जरी, रेडियोथेरेपी और कीमोथेरेपी जैसी उपचार सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अस्पताल में हाइपरबैरिक ऑक्सीजन थेरेपी (एचबीओटी) की सुविधा भी शुरू की गई है। यह उपचार अचानक सुनने की क्षमता कम होने, चेहरे के पक्षाघात और लंबे समय से न भरने वाले घावों के उपचार में प्रभावी माना जाता है। ईएनटी विभाग में मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस विद्यार्थियों को भी आधुनिक चिकित्सा तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्हें रोगों के उन्नत निदान के साथ नेविगेशन-असिस्टेड सर्जरी, नाक, पैरानैजल साइनस और स्कल बेस सर्जरी जैसी अत्याधुनिक प्रक्रियाओं की जानकारी दी जा रही है। भविष्य की योजनाओं के तहत विभाग में हियरिंग एड, कॉक्लियर इम्प्लांट और पुनर्वास सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने की तैयारी की जा रही है। इससे विशेष रूप से मूक-बधिर बच्चों और श्रवण बाधित मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी, जिन्हें अब तक उपचार के लिए महानगरों का रुख करना पड़ता था।

हाथ-आंख का संतुलन सुधारने में कौन-सा खेल है बेहतर?

हाथ-आंख का संतुलन हमारे रोजमर्रा के जीवन का अहम हिस्सा है। यह कौशल हमें न केवल खेलों में बल्कि अन्य गतिविधियों में भी मदद करता है। फ्रिसबी और बैडमिंटन दो ऐसे खेल हैं, जो हाथ-आंख के संतुलन को सुधारने में मदद कर सकते हैं। इस लेख में हम इन दोनों खेलों के फायदे और नुकसान पर चर्चा करेंगे ताकि आप अपने लिए सही चयन कर सकें और अपने हाथ-आंख के संतुलन को बेहतर बना सकें।

फ्रिसबी के फायदे : फ्रिसबी एक ऐसा खेल है, जो टीम वर्क और सामंजस्य को बढ़ावा देता है। जब आप फ्रिसबी खेलते हैं तो आपको गेंद को सही तरीके से पकड़ना और फेंकना सीखना पड़ता है, जिससे आपका हाथ-आंख का संतुलन सुधरता है। इसके अलावा यह खेल बाहर खेलने का मौका देता है, जिससे आप ताजगी महसूस करते हैं और शारीरिक सक्रियता बढ़ती है। फ्रिसबी खेलने से आप अपने दोस्तों या परिवार के साथ समय बिताने का भी आनंद ले सकते हैं।

बैडमिंटन का महत्व : बैडमिंटन एक तेज़ी से खेलने वाला खेल है, जिसमें तेजी से निर्णय लेना पड़ता है और सही समय पर सही कदम उठाना होता है। इससे आपका हाथ-आंख का संतुलन काफी सुधरता है। बैडमिंटन खेलने से न केवल आपकी शारीरिक फिटनेस बढ़ती है बल्कि मानसिक एकाग्रता भी मजबूत होती है। यह खेल आपको तेज प्रतिक्रिया क्षमता विकसित करने में मदद करता है, जिससे अन्य गतिविधियों में भी आपको लाभ होता है।

दोनों खेलों का तुलना : फ्रिसबी और बैडमिंटन दोनों ही अपने-अपने तरीके से हाथ-आंख के संतुलन को सुधारने में मदद करते हैं। जहां फ्रिसबी टीम वर्क और सामंजस्य को बढ़ावा देता है, वहीं बैडमिंटन तेज प्रतिक्रिया क्षमता और मानसिक एकाग्रता को मजबूत करता है। अगर आप परिवार या दोस्तों के साथ समय बिताना चाहते हैं और बाहर खेलने का मजा लेना चाहते हैं तो फ्रिसबी बेहतर विकल्प हो सकता है, वहीं अगर आप व्यक्तिगत चुनौती पसंद करते हैं।

निर्णय लेने का तरीका : आपको यह तय करना होगा कि आपके लिए कौन सा खेल ज्यादा उपयुक्त है। अगर आप टीम खेल पसंद करते हैं और बाहर खेलने का मजा लेना चाहते हैं तो फ्रिसबी आपके लिए बेहतर होगा, वहीं अगर आप व्यक्तिगत चुनौती चाहते हैं और तेज खेल का आनंद लेना चाहते हैं तो बैडमिंटन चुनें। दोनों ही खेल आपके हाथ-आंख के संतुलन को सुधारने में मदद करेंगे, इसलिए अपने रुचियों और जरूरतों के अनुसार सही चयन करें।

मानसून के दौरान बालों का रंग क्यों पड़ जाता है फीका? जानिए कारण

मानसून के दौरान बालों का रंग फीका पड़ जाता है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि बारिश का गंदा पानी और अधिक नमी। अगर आप भी इस बदलाव से परेशान हैं तो आइए आज हम आपको कुछ ऐसे कारण बताते हैं, जिनके कारण बालों का रंग मानसून के दौरान फीका पड़ सकता है। साथ ही इससे बचने के लिए प्रभावी तरीके भी बताते हैं।

बारिश का गंदा पानी : बारिश का पानी अक्सर गंदा होता है क्योंकि यह हवा में मौजूद धूल-मिट्टी और प्रदूषण को अपने साथ ले आता है। जब यह गंदा पानी आपके बालों पर गिरता है तो यह बालों की चमक को कम कर सकता है और रंग को भी प्रभावित कर सकता है। इससे बचने के लिए बारिश में बाहर निकलते समय अपने सिर को ढककर रखें। साथ ही घर लौटने के बाद अपने बालों को अच्छे से धोएं।

अधिक नमी का असर : मानसून के दौरान वातावरण में अधिक नमी होती है, जो बालों को कमजोर कर सकती है और उनके रंग को फीका कर सकती है। नमी के कारण बाल अधिक फिसलन वाले हो जाते हैं, जिससे बाल टूटने लगते हैं और उनका रंग भी प्रभावित होता है। इसके अलावा नमी के कारण बाल चिपचिपे भी हो सकते हैं। इससे बचने के लिए बालों को नियमित रूप से धोएं और सही तरीके से पोषण दें।

सही उत्पादों का न इस्तेमाल होना : बालों की देखभाल के लिए सही उत्पादों का चुनाव बहुत जरूरी होता है। मानसून में ऐसे शैंपू और कंडीशनर का इस्तेमाल करें, जो बालों को नमी प्रदान करें और उनकी चमक बनाए रखें। इसके अलावा हेयर मास्क और तेल भी बालों को पोषण देने में मदद करते हैं। इसके साथ ही बालों को धोने के बाद उन्हें अच्छे से सुखाएं क्योंकि गीले बाल अधिक कमजोर होते हैं और उनका रंग भी खराब हो सकता है।

सूरज की हानिकारक किरणों का असर : मानसून के दौरान भी सूरज की हानिकारक किरणें बालों पर बुरा असर डाल सकती हैं, खासकर अगर आप अधिक समय बाहर बिताते हैं। सूर्य की किरणें बालों की प्रोटीन को नुकसान पहुंचाती हैं, जिससे उनका रंग फीका पड़ सकता है और वे कमजोर हो सकते हैं। इसलिए जब भी आप बाहर जाएं तो अपने सिर को ढककर रखें या फिर छाते का उपयोग करें।

रासायनिक उत्पादों का उपयोग : कुछ लोग मानसून में रासायनिक युक्त हेयर डाई का इस्तेमाल करते हैं ताकि वे अपने बालों को चमकदार बना सकें, लेकिन इनका लंबे समय तक उपयोग करने से बाल कमजोर हो सकते हैं। इसलिए इनका उपयोग करने से बचें।

अगर आप अपने बालों का रंग बदलना चाहते हैं तो प्राकृतिक रंगों का चुनाव करें। इसके लिए आप हिना का इस्तेमाल कर सकते हैं या फिर प्राकृतिक रंग किट का चयन कर सकते हैं।

स्वास्थ्य और सौंदर्य को निखारने में मददगार नारियल तेल

शुद्ध नारियल का तेल कई गुणों से भरा हुआ माना जाता है। यह स्वास्थ्य और सौंदर्य को निखारने में काफी मददगार होता है। यह आपकी हर प्रकार की सौंदर्य समस्या को झट से मिटा सकता है।

नारियल तेल त्वचा को नर्म बनाने एवं नमी प्रदायक (मॉश्चराईज़र) के रूप में उत्कृष्ट है। इसलिये इसे सर्दियों के मौसम के काफी यूज़ किया जाता है। इसमें एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होने की वजह से यह बालों से रूसी और खुश्की को भी खतम कर देता है।

कई लोग बाजारू सौंदर्य उत्पादों की चका-चौंध में इतने डूब चुके हैं कि उन्हें नारियल तेल का कोई फायदा दिखाई ही नहीं देता। पर आज जब हम आपको नारियल तेल के कुछ ऐसे प्रयोग बताएंगे जो कि सुंदरता निखारने के काम आ सकता है तो, आप भी चौंक जाएंगी। आइये जानते हैं क्या हैं वो...

शुगर स्क्रब इसे बनाने के लिये 1 चम्मच नारियल तेल को 1 चम्मच शक्कर के साथ मिक्स करें। इससे चेहरे पर 1० मिनट तक मसाज करना चाहिये। इससे चेहरे पर जमी गंदगी निकल जाएगी और चेहरा चमकदार बन जाएगा।

सॉल्ट स्क्रब अगर चेहरे पर पिंपल्स हैं तो शक्कर की जगह पर चीनी का प्रयोग करें। इससे पिंपल की वजह से चेहरे पर आई लाल रंग की सूजन भी गायब हो जाएगी। साबुन भी बनाएं इसे बनाने के लिये आधा कप नारियल तेल, 1/4 कप बीवैक्स, 1/4 कप शिया बटर के साथ कुछ बूंद बादाम तेल मिक्स करें।

साबुन बनाने की विधि सबसे पहले नारियल तेल, बीवैक्स और शिया बटर को धीमी आंच पर गरम करें। फिर इस मिश्रण को बादाम तेल के साथ मिक्स करें। उसके बाद इस मिश्रण को साबुनदानी में रख कर सेट होने के लिये रख दें। आप चाहें तो इसे रेफ्रिजिरेटर में भी तुरंत सेट होने के लिये रख सकती हैं।

फटे और रूखे होठों के लिये नारियल तेल को सोने से पहले होठों पर लगाएं। रातभर में आपके होंठ मुलायम हो जाएंगे।

टूथपेस्ट आप नारियल तेल को टूथपेस्ट के रूप में भी प्रयोग कर सकती हैं। इसे थोड़े से नमक के साथ मिक्स कर के दांत साफ करें। इससे दांतों की कैविटी निकलेगी और दांत चमकदार बनेंगे।

डीयोड्रंट थोड़े से नारियल तेल को कुछ बूंद नींबू के रस, बेकिंग सोडा और कुछ बूंद रोज ऑइल के साथ मिक्स करें। इसे अपने अंडरआर्म पर लगाइये। इससे आप दिनभर तरोताजा रहेंगी और शरीर से बदबू भी नहीं आएगी।

सनस्क्रीन शुद्ध नारियल तेल को अपने रोजमर्रा के लोशन के साथ मिक्स कर के पूरे चेहरे और शरीर पर लगाइये। इससे आप कड़ी धूप में काली होने से बच जाएंगी।

शेविंग क्रीम बनाएं नारियल तेल, बेकिंग सोडा, शहद और कैस्टाइल सोप को एक साथ मिक्स कर के चेहरे, या अंडरआर्म या पैरों पर लगा कर शेव करें। इससे शेविंग भी काफी स्मूथ होगी। बालों का सफेद होना रोके नारियल तेल को नींबू के रस के साथ मिक्स कर के बालों पर लगाएं। नियमित रूप से ऐसा करने से बाल जल्दी ही काले हो जाएंगे।

शब्द सामर्थ्य -066

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

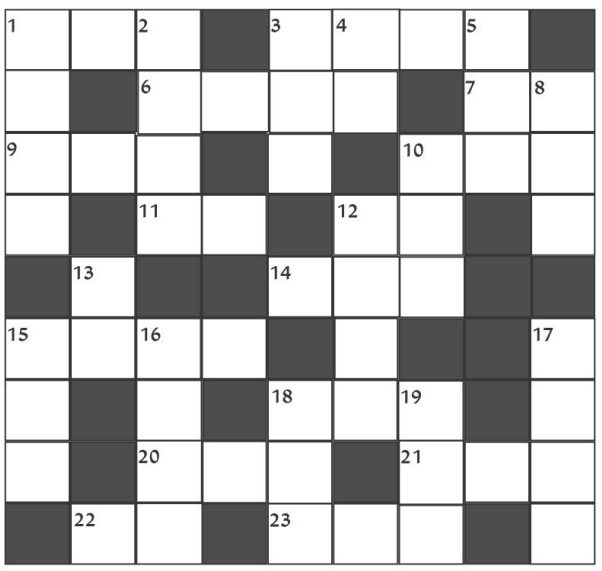

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 65 का हल

ज	ल	■	आ	वा	जा	ही	■	■
मा	■	खू	ब	■	दू	र	स्थ	■
ना	दा	न	■	सा	ग	■	ल	क्ष्य
■	न	ख	■	त	र	ल	■	■
■	वी	रा	न	■	■	च	ट	क
■	र	ब	■	आ	ज	क	ल	■
■	■	■	आ	ग	■	दा	ना	■
■	अ	ग	र	म	ग	र	■	क्रो
भा	भी	■	ती	न	■	■	व	ध

वीर पहाड़िया की फिल्म प्रेम कीटाणु का ऐलान, 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

बॉलीवुड निर्माता गौरव वर्मा ने अपने नवस्थापित बैनर, अवनिका फिल्म्स की पहली फिल्म प्रेम कीटाणु का ऐलान किया है, जिसमें वीर पहाड़िया मुख्य किरदार में नजर आएंगे। फिल्म को फार्स फिल्म्स के साथ सह-प्रस्तुत किया गया है। इसके निर्देशन की कमान अपूर्व सिंह कार्की ने उठाई है, जिन्हें सिर्फ एक बंदा काफी है और एस्पिरेंट्स के निर्देशन के लिए जाना जाता है। वीर के अलावा, फिल्म में अपारशक्ति खुराना, आफिया सैयद, राकेश बेदी और निखिल विजय भी मौजूद हैं।

प्रेम कीटाणु का ऐलान करते हुए निर्माताओं ने इसका पहला पोस्टर भी जारी किया है। इसकी कहानी आज के युवा, उनकी ख्वाहिशों और प्यार व जिंदगी में उनके संघर्षों को एक मजेदार अंदाज में पेश करेगी।

अक्षय कुमार अभिनीत स्काई फोर्स (2025) के बाद, वीर दूसरी बार बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं।।

फिल्म 2 अक्टूबर, 2026 को गांधी जयंती के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका टकराव अजय देवगन की फिल्म दृश्यम 3 के साथ होगा।

इसकी कहानी युवाओं की आकांक्षाओं, रिश्तों और रोजमर्रा की चुनौतियों के इर्द-गिर्द घूमती इस फिल्म की कहानी एक दिल छू लेने वाली और रिलेटेबल एंटरटेनर है। हास्य और भावनाओं से भरपूर इस फिल्म में आधुनिक जीवन और प्यार को एक नए नजरिए से पेश करने की कोशिश भी की गई है।

ऐसे में यह कहा जाए तो गलत नहीं होगा कि प्रेम कीटाणु' वीर पहाड़िया को उनके डेब्यू स्काई फोर्स' से बिल्कुल अलग अंदाज में पेश करेगी। स्काई फोर्स' में उन्होंने भारतीय वायुसेना के अधिकारी टी. विजया का किरदार निभाया था। ऐसे में देशभक्ति और एक्शन से भरपूर ड्रामा के बाद अब युवा और रिश्तों पर आधारित एंटरटेनर का हिस्सा बनना दिखाता है कि वीर अपने करियर के शुरुआती दौर में ही अलग-अलग तरह के किरदार और जॉनर तलाश रहे हैं।

जैसा कि वीर की आगामी फिल्मों की लिस्ट में डार्क एक्शन थ्रिलर नाम - टू लिव इज़ वॉर' भी शामिल है। महेश भट्ट द्वारा प्रस्तुत और सिद्धांत सचदेव द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वीर के साथ वरुण शर्मा नजर आएंगे, जो पहली बार नेगेटिव भूमिका में दिखाई देने की उम्मीद है। फिल्म का निर्माण रिद्धि चावड़ा और उत्सव उपाध्याय कर रहे हैं।

प्रेम कीटाणु' और नाम - टू लिव इज़ वॉर' के जरिए वीर पहाड़िया दो बिल्कुल अलग सिनेमाई दुनिया का हिस्सा बन रहे हैं। एक ओर जहां प्रेम कीटाणु' रोमांस, हास्य और युवा भारत की रोजमर्रा की वास्तविकताओं को सामने लाएगी, वहीं नाम - टू लिव इज़ वॉर' में उनका एक इंटेंस और रग्ड एक्शन अवतार देखने को मिलेगा।

स्काई फोर्स' के बाद इन दोनों फिल्मों की घोषणा वीर पहाड़िया के करियर के अगले चरण की ओर इशारा करती है, जहां अभिनेता किसी एक इमेज तक सीमित रहने के बजाय अलग-अलग जॉनर और किरदारों के जरिए अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

सलमान खान की एसवीसी 63 को मिला शीर्षक, द मॉन्स्टर होगा फिल्म का नाम

सलमान खान और नयनतारा की बहुप्रतीक्षित फिल्म एसवीसी 63 को शीर्षक मिल गया है। दिल राजू द्वारा निर्मित और वामशी पेडिपल्ली द्वारा निर्देशित यह एक्शन-थ्रिलर अब द मॉन्स्टर के नाम से जानी जाएगी। इसे अखिल भारतीय स्तर पर रिलीज किया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के शीर्षक का औपचारिक रूप से ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन निर्माण कार्य जारी रहने के दौरान फिल्म के लिए द मॉन्स्टर नाम तय कर लिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म निर्माण का कार्य आने वाले समय में जारी रहने की उम्मीद है। निर्माता आधिकारिक शीर्षक और पहला लुक दिखाने से पहले एक व्यापक प्रचार अभियान चलाने की योजना बना रहे हैं।

निर्माताओं ने पहले ही संकेत दिया था कि सलमान अभिनीत इस एक्शन-थ्रिलर को बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है। टीम का लक्ष्य अक्टूबर, 2026 तक शूटिंग को खत्म करना है।

इसके अलावा, सलमान और नयनतारा के किरदारों को भी गुप्त रखा जा रहा है।

द मॉन्स्टर को श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के बैनर तले दिल राजू द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है। यह निर्माता, निर्देशक और सलमान के बीच का पहला सहयोग है।

यही नहीं, लेडी सुपरस्टार नयनतारा भी इसके जरिए पहली बार सलमान के साथ स्क्रीन साझा कर रही हैं। इससे पहले उन्हें शाहरुख खान की हिंदी फिल्म जवान (2023) में देखा गया था, जिसका निर्देशन एटली ने किया था। बता दें, द मॉन्स्टर ईद, 2027 पर विश्व स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

साउथ सिनेमा अपनी जड़ों से जुड़ा, यही उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती : नैला ग्रेवाल

बरेली की बर्फी, थप्पड़ और तमाशा जैसी फिल्मों में काम कर चुकी अभिनेत्री नैला ग्रेवाल आगामी बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म राका में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि साउथ इंडस्ट्री के लोग अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं और अपनी फिल्मों के जरिए इसको दिखाते हैं। अभिनेत्री ने कहा, मुझे लगता है कि साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरती यह है कि वे अपने कल्चरल ताने-बाने और जड़ों से बहुत जुड़े रहते हैं। वे अपनी फिल्मों और स्क्रिप्ट के जरिए अपने कल्चरल ताने-बाने को इतनी खूबसूरती से दिखाते हैं, जिससे हर तरह के लोग उनके सिनेमा की ओर खींचा चला आता है। मुझे लगता है कि यही उनकी खूबसूरती है कि वे असल में जैसे हैं, वैसे ही है। साथ ही, उनकी राइटिंग और स्क्रिप्टिंग भी बहुत अच्छी है। नैला ग्रेवाल ने फिल्म राका की हिंट देते हुए कहा, आपने अभी तक फिल्म को लेकर जो कुछ भी देखा, उससे भी कई ज्यादा एक्साइटिंग होने वाला है। यह मेरे लिए बहुत खास सफर है।

अभिनेत्री ने अपने सिनेमाई सफर को याद करते हुए कहा कि वे खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि शुरुआत में ही उन्होंने रणबीर कपूर, रवि किशन समेत कई टैलेंटेड एक्टर्स के साथ काम किया है, जिनसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला।

उन्होंने कहा, राका भी बहुत बढिया फिल्म है और इसमें मैंने प्रेरणादायक एक्टर्स के साथ काम किया है। जब आप दिलचस्प एक्टर्स के साथ काम करते हैं, तो एक अलग लेवल का चैलेंज होता है। वह चैलेंज प्रोजेक्ट, आपके कैरेक्टर और आपके पूरे अनुभव को और भी बेहतर बनाता है। इतनी शानदार स्टार कास्ट के साथ काम करने के बारे में मुझे ऐसा ही लगता है।

एटली कुमार के निर्देशन में बनी बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म राका में साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और रिपोर्ट्स के अनुसार वह इसमें ट्रिपल रोल (तीन अलग-अलग किरदार) निभा सकते हैं। उनके साथ लीड रोल में दीपिका पादुकोण, रश्मिका मंदाना, जान्हवी कपूर, मृणाल ठाकुर और ऐश्वर्या लक्ष्मी जैसे कई अन्य कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।

यह फिल्म टाइम ट्रैवल, मल्टीवर्स और पुनर्जन्म जैसे अनोखे और बड़े कॉन्सेप्ट पर आधारित बताई जा रही है। अल्लू अर्जुन के पहले लुक पोस्टर में उनका एक बहुत ही अलग और खतरनाक अंदाज (जंगली या वेयरवुल्फ जैसा लुक) देखने को मिला है।

डीप नेक हॉल्टर टॉप में कंगना शर्मा का बोल्ड अंदाज, तस्वीरों ने इंटरनेट पर बढ़ाया पारा

एक्ट्रेस और मॉडल कंगना शर्मा अक्सर अपने बेबाक अंदाज और ग्लैमरस स्टाइल स्टेटमेंट को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में कंगना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ बेहद ही आकर्षित और बोल्ड तस्वीरें साझा की हैं।

कंगना शर्मा ने एक क्लासी ऑलिव ग्रीन लेदर स्टाइल हॉल्टर-नेक टॉप पहना हुआ है। इस टॉप में फ्रंट लेसिंग और डीप प्लंजिंग नेकलाइन दी गई है, जो उनके लुक को बेहद हॉट और सिज़लिंग बनाती है। इस बोल्ड टॉप को बैलेंस करने के लिए कंगना ने ऊपर से एक ऑफ-वाइट ओवरसाइज़्ड ब्लेज़र पेयर किया है, जिसके कफ्स पर फ्लोरल प्रिंट की डिटेलिंग है। इसके साथ ही उन्होंने मैचिंग वाइट रिब्ड प्लीटेड फ्लेयर्ड पैंट्स पहनी है, जिसका बॉटम फ्रिंज स्टाइल में है। हाथ में स्नेक-स्किन हैंडबैग और प्लेटफॉर्म स्नीकर्स कंगना शर्मा के इस ट्रैवल-रेडी-ग्लैम लुक को परफेक्ट फिनिश दे रहे हैं।ग्लैमरस आउटफिट के साथ-साथ कंगना की एक्सेसरीज भी ध्यान खींचती हैं। उन्होंने गले में डबल-लेयर पर्ल नेकलेस पहना है, जो उनके डीप-नेक टॉप को एक रॉयल और एलिगेंट टच देता है। आंखों पर पहना गया थिन स्लिम ब्लैक रेक्टेंगुलर सनग्लासेज उनके लुक में एक रेट्रो-चीक वाइब जोड़ता है। कंगना का हेयरस्टाइल और मेकअप उनके ओवरऑल अवतार में चार चांद लगा रहा है। हेयरस्टाइल- उन्होंने अपने बालों को सॉफ्ट वेव्स और हाइलाइट्स के साथ खुला रखा है। माथे पर फ्रंट बैंग्स उनके चेहरे के कटआउट्स को बेहद खूबसूरती से फ्रेम कर रही हैं। न्यूड-पिंक लिपस्टिक, ग्लोइंग बेस, डिफाइंड आइब्रो और हल्का आई-मेकअप कंगना के लुक को काफी क्लासी और नेचुरल दिखा रहा है।

5,233 विद्यार्थियों ने छोड़ी दक्षता आधारित पात्रता आकलन परीक्षा

रुद्रपुर(आरएनएस)ऊधमसिंह नगर जिले में दक्षता आधारित पात्रता आकलन परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। कक्षा दो, पांच और आठ के लिए पंजीकृत 26,902 विद्यार्थियों में से 21,669 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 5,233 विद्यार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। जिले में परीक्षा के लिए पंजीकृत 1,085 विद्यालयों में से 1,080 विद्यालयों में परीक्षा आयोजित की गई, जबकि पांच विद्यालय परीक्षा में शामिल नहीं हो सके। मुख्य शिक्षा अधिकारी हरेन्द्र कुमार मिश्रा ने बताया कि कक्षा दो के 6,655 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 5,401 ने परीक्षा दी। कक्षा पांच के 10,851 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 9,095 और कक्षा आठ के 9,396 विद्यार्थियों में से 7,173 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। क्षेत्रवार आंकड़ों के अनुसार, सितारगंज में 3,399 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 2,708, खटीमा में 2,468 में से 2,111, बाजपुर में 3,584 में से 2,888, गदरपुर में 3,212 में से 2,335, जसपुर में 3,065 में से 2,746, रुद्रपुर में 7,094 में से 5,386 और काशीपुर में 4,080 में से 3,485 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी।

अभियंता से मारपीट पर डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ में रोष, आंदोलन की चेतावनी

अल्मोड़ा(आरएनएस)। लोक निर्माण विभाग काशीपुर के अपर सहायक अभियंता इंजीनियर राजीव गौर के साथ कथित मारपीट और अभद्रता की घटना को लेकर उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ की अल्मोड़ा निर्माण खंड शाखा ने कड़ा विरोध जताया है। संघ ने आपातकालीन बैठक में घटना की निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ तत्काल कठोर एवं विधिसम्मत कार्रवाई की मांग की है। संघ की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सोमवार को आयोजित बैठक में कहा गया कि शासकीय दायित्वों का निर्वहन कर रहे अभियंता के साथ मारपीट और अभद्रता की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। इससे न केवल संबंधित अभियंता के साथ अन्याय हुआ है, बल्कि विभागीय अभियंताओं और कर्मचारियों की सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान में मानसून और आपदा काल के दौरान लोक निर्माण विभाग के अभियंता और कर्मचारी विषम परिस्थितियों में लगातार अपनी सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे समय में उनके साथ होने वाली इस प्रकार की घटनाएं कार्य के प्रति मनोबल को प्रभावित करने के साथ ही सुरक्षा संबंधी चिंताओं को भी बढ़ाती हैं। संघ ने प्रशासन से मांग की कि मामले में शामिल दोषियों के खिलाफ तत्काल कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो उसे चरणबद्ध आंदोलन और कार्य बहिष्कार करने के लिए विवश होना पड़ेगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। बैठक में अभियंताओं एवं कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

सू- दोकू क्र.066

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.65 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

कुंभ मेला-2027 के कार्यों को स्थानीय सुझावों के अनुरूप अंतिम रूप देने की पहल तेज

हरिद्वार (आरएनएस)। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों के तहत हरिद्वार में अवस्थापना विकास से जुड़े कार्यों को तेजी से धरातल पर उतारने के साथ ही मेला प्रशासन ने स्थानीय लोगों के सुझावों और फीडबैक के अनुरूप योजनाओं को अंतिम रूप देने की पहल तेज कर दी है। इसके लिए जनप्रतिनिधियों, साधु-संतों, व्यापारियों, प्रबुद्धजनों एवं आम नागरिकों से निरंतर संवाद किया जा रहा है, ताकि कुंभ मेला क्षेत्र में होने वाले विकास कार्य स्थानीय आवश्यकताओं और जनसुविधाओं के अनुरूप हों।

मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि निर्माण एवं विकास कार्यों को आगे बढ़ाते समय स्थानीय लोगों के सुझावों को प्राथमिकता से सुना जाए। उन्होंने कहा कि मेला प्रशासन और कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी क्षेत्र में जाकर लोगों से संवाद करें और उनकी आवश्यकताओं एवं सुझावों के अनुरूप कार्यों को बेहतर स्वरूप दें। इसी क्रम में मेलाधिकारी स्वयं भी विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों एवं नागरिकों से संवाद कर रही हैं। मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने शंकर आश्रम चौक, अवधूत मंडल मार्ग, भगत सिंह चौक, ज्वालापुर रेलवे स्टेशन तथा जटवाड़ा पुल क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न स्थानों पर चल रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लेने के साथ ही प्रस्तावित योजनाओं के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

शंकर आश्रम चौक एवं अवधूत मंडल मार्ग पर चल रहे सड़क सुधार और फुटपाथ निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए मेलाधिकारी ने स्थानीय लोगों से भी कार्यों के संबंध में सुझाव लिए। उन्होंने कहा कि यातायात के सुचारू संचालन को ध्यान में रखते हुए स्थानीय लोगों की मांग पर इस क्षेत्र में सड़क के मध्य डिवाइडर की चौड़ाई नहीं बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि हरिद्वार नगर में प्रमुख मंदिरों एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थलों तक सुगम पैदल आवागमन सुनिश्चित करने के लिए फुटपाथ निर्माण की योजना पर कार्य किया जा रहा है। इससे स्थानीय नागरिकों के साथ ही कुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को भी सुविधा मिलेगी। उन्होंने क्षेत्रीय आवश्यकताओं एवं स्थानीय सुझावों के अनुरूप उपयुक्त स्थानों पर प्रकाश व्यवस्था तथा सौंदर्यीकरण के अन्य कार्य कराने के निर्देश भी दिए।

मेलाधिकारी ने अधिकारियों को चौराहों के सुधार कार्य स्थानीय आवश्यकताओं एवं लोगों के सुझावों को ध्यान में रखते हुए करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों से टॉयलेट एवं पार्किंग के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित करने में सहयोग का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उपयुक्त भूमि उपलब्ध होने पर मेला प्रशासन द्वारा क्षेत्र में टॉयलेट एवं सतही पार्किंग की व्यवस्था विकसित की जाएगी। स्थानीय लोगों की मांग पर मेलाधिकारी ने अवधूत मंडल मार्ग के मध्य रेलिंग एवं लाइट पोस्ट स्थापित करने के संबंध में भी अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

इसके बाद मेलाधिकारी ने भगत सिंह चौक क्षेत्र का निरीक्षण कर सड़क सुधार, फुटपाथ निर्माण एवं सौंदर्यीकरण के कार्यों की प्रगति जानी। उन्होंने चौक से लगे नालों की सफाई कराने तथा आवश्यकतानुसार उन्हें ढकने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से संवाद कर क्षेत्र की समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी भी ली।

ज्वालापुर रेलवे स्टेशन क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान मेलाधिकारी ने सड़क सुधार, सौंदर्यीकरण एवं जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों को तेजी से धरातल पर उतारने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्वक पूरे किए जाएं तथा कार्यों के दौरान स्थानीय नागरिकों की सुविधा और उनके सुझावों का पूरा ध्यान रखा जाए। जटवाड़ा पुल क्षेत्र के भ्रमण के दौरान मेलाधिकारी ने प्रस्तावित कार्यों के संबंध में अधिकारियों से विचार-विमर्श किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं व्यापारियों ने मेला प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्थानीय लोगों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं एवं सुझावों के अनुरूप कार्य कराए जाने से विकास कार्य अधिक उपयोगी और जनहितकारी बनेंगे। उन्होंने क्षेत्र में सड़क एवं चौराहों के सुधार, फुटपाथ निर्माण, सौंदर्यीकरण तथा अन्य जनसुविधाओं से जुड़े कार्य कराए जाने की भी सराहना की। इस दौरान नगर निगम की पार्षद मोनिका सैनी, पार्षद राजेश शर्मा, पार्षद प्रतिनिधि गुलशन शर्मा सहित सागर अरोड़ा, जयकिशन विरमानी, सुमित मल्होत्रा, भारत तनेजा, धीरेंद्र गुप्ता, रवि शंकर, सुरेश शर्मा, हेमंत चावला, राजू गुप्ता, पवन कुमार आदि स्थानीय लोग एवं व्यापारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपर मेलाधिकारी श्री दयानंद सरस्वती, एचआरडीए के सचिव श्री प्रत्यूष कुमार सिंह, सीओ यूके मलिक, पीआईयू के अधिशासी अभियंता प्रवीण कुश सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम ने सड़क, नालियों और जर्जर भवनों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने नगर निगम के दुगालखोला और खगमरा वार्डों का स्थलीय निरीक्षण कर सड़क, नालियों, सफाई व्यवस्था, विद्यालय परिसर तथा जर्जर भवनों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभागों को जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों में तेजी लाने और सभी आवश्यक सुधारात्मक कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने माल गांव से करबला होते हुए दुगालखोला जाने वाले जिला पंचायत मार्ग का निरीक्षण किया। मार्ग के कई हिस्सों के क्षतिग्रस्त होने से स्थानीय लोगों को हो रही परेशानी पर उन्होंने जिला पंचायत अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कार्य कर सड़क को सुरक्षित और सुगम बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने दोनों वार्डों में नालियों की स्थिति का भी जायजा लिया और नगर निगम अधिकारियों को नियमित सफाई सुनिश्चित करने के साथ जल निकासी में आ रही बाधाओं को तत्काल दूर करने को कहा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि नालियों की सफाई के बाद निकला मलबा और अपशिष्ट सड़क किनारे न छोड़ा जाए, बल्कि उसका तत्काल निर्धारित स्थान पर वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जाए। जिलाधिकारी ने सड़कों, गलियों और नालों के आसपास उगी झाड़ियों की कटाई कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि झाड़ियों के कारण आवागमन और सफाई व्यवस्था प्रभावित नहीं होनी चाहिए। जहां आवश्यकता हो वहां नालों के ऊपर सुरक्षित पैदल रास्ते बनाए जाएं तथा पहले से बने रास्तों को भी व्यवस्थित किया जाए। उन्होंने वार्डों के क्षतिग्रस्त पैदल मार्गों और संपर्क रास्तों की मरम्मत कराने के निर्देश देते हुए कहा कि नगर क्षेत्र में सफाई, जल निकासी और सुरक्षित आवागमन से जुड़ी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और कार्य पूर्ण होने के बाद नियमित निगरानी भी बनाए रखें। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय दुगालखोला और आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय परिसर और आसपास नियमित सफाई, झाड़ियों की कटाई तथा विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बाद में उन्होंने आवास विकास क्षेत्र स्थित एक जर्जर भवन का निरीक्षण किया। भवन की खराब स्थिति को देखते हुए संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा की दृष्टि से उसे शीघ्र ध्वस्त कराने के निर्देश दिए, ताकि आसपास रहने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। निरीक्षण के दौरान दर्जा राज्यमंत्री गंगा बिष्ट, नगर आयुक्त सीमा विश्वकर्मा, उपजिलाधिकारी संजय कुमार तथा नगर निगम, जिला पंचायत एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

महिलाओं ने कागज के बैग बनाने सीखे

हल्द्वानी(आरएनएस) महिला सशक्तीकरण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इकपर्णिका भवन में महिला स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। भाजपा नेता मनोज पाठक के नेतृत्व और इकपर्णिका योग परिवार के संयोजन में आयोजित कार्यशाला में कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र की महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों ने प्रतिभाग किया। रुद्रपुर से पहुंचे प्रशिक्षक प्रियांक भट्ट और उनकी टीम ने महिलाओं को कागज के बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया। मनोज पाठक ने कहा कि महिलाओं में हुनर की कमी नहीं है, जरूरत उन्हें प्रशिक्षण और अवसर देने की है। कागज के बैग का काम कम लागत में घर से शुरू कर आय का साधन बनाया जा सकता है।

शहीद हवा सिंह लांबा की स्मृति में रक्तदान शिविर, 86 युवाओं ने किया रक्तदान

संवाददाता

झज्जर। वीरों की देवभूमि कहे जाने वाले गांव धारौली में सामाजिक संस्था मां-मातृभूमि सेवा समिति द्वारा जिला रेड क्रॉस सोसाइटी, झज्जर के सहयोग से 1965 भारत-पाक युद्ध के शहीद लांस नायक हवा सिंह लांबा (4 ग्रेनेडियर्स रेजिमेंट) की स्मृति में 11वां विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शहीद हवा सिंह लांबा राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धारौली में आयोजित शिविर में एक महिला सहित 86 युवाओं ने रक्तदान किया। सिविल अस्पताल, झज्जर की ब्लड बैंक टीम ने रक्त संग्रह किया। समिति के अध्यक्ष युद्धवीर सिंह लांबा ने बताया कि शिविर में नितेश भोरिया, कोसली ने 46वीं बार, डॉ. सोनू, भिंडावास ने 34वीं बार, रिंकू लांबा, धारौली और मास्टर धर्मवीर नाहरवाल, छप्पार ने 24वीं बार तथा सुखवीर जाखड़, चेयरमैन रिलायंस ग्रुप ऑफ स्कूल्स ने 23वीं बार रक्तदान किया। शिविर में 26 बार रक्तदान कर चुके अश्वनी मल्हान, गिरधरपुर मुख्य अतिथि रहे। वहीं 19वीं बार रक्तदान कर चुके समाजसेवी प्रमोद जांगड़ा, जहाजगढ़ विशेष अतिथि तथा साल्हावास के समाजसेवी पवन जाखड़ विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। 30 बार रक्तदान कर चुके डॉ. संदीप गुलिया, जहांगीरपुर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। शिविर को सफल बनाने में धर्मेंद्र यादव, प्रवीण यादव, मास्टर रोहित यादव, मास्टर सतीश यादव, सागर यादव, मास्टर संदीप, दीपक सौलकी, मास्टर पवन कुमार, मास्टर हरबीर मल्हान, सुखबीर जाखड़, सोनू कुमार, वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश लांबा तथा संजय टैंट एंड जनरेटर हाउस सहित अनेक समाजसेवियों ने आर्थिक एवं अन्य सहयोग दिया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए समाजसेवी मंजीत सिंह, प्रो. हंस बैग एवं स्टेशनरी हाउस, कोसली के सहयोग से शिविर में पहुंचे पहले 60 रक्तदाताओं को एक-एक इंडोर प्लांट भी निशुल्क भेंट किया गया।

जयंती पर गोविंद बल्लभ पंत को याद किया

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने अपने कार्यालय कांवली रोड पर भारत रत्न पंडित स्वर्गीय गोविंद बल्लभ पंत की जयंती पर उन्हें याद किया। स्मरण रहे कि गोविंद बल्लभ पंत जी का जन्म अल्मोड़ा के खूंट गांव में 10 सितम्बर 1887 को एक मध्य वर्गीय परिवार में हुआ था।

समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने कहा है कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी देश की आजादी के लिएं सदैव अग्रणी रहे। रानी खेत स्थित गोविंद बल्लभ कृषि विश्वविद्यालय उन्हीं के नाम पर बना है पेशे से वकील रहे पंत जी उत्तर प्रदेश के पहले मुख्य मंत्री भी रहे। पंडित जी को याद करने वालों में प्रभात डंडरियाल, आरिफ वारसी, प्रदीप कुकरेती, जय बिष्ट, दानिश नूर, सुशील विरमानी, पारस यादव,गुलाम मुस्तफा, आदि मौजूद रहे।

भाजपा ने 'महामंथन' में परखी मिशन.. ◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

कितना पहुंचा और संगठन उस लाभार्थी तक कितनी प्रभावी ढंग से पहुंच पाता है। भाजपा के लिए 2027 का चुनाव केवल चेहरों का चुनाव नहीं होगा। यह संगठन बनाम संगठन, बूथ बनाम बूथ और नैरेटिव बनाम नैरेटिव की लड़ाई भी होगी। 10 सितंबर को नितिन नवीन की मौजूदगी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर प्रस्तावित सेवा संकल्प अभियान को लेकर भी बैठक होनी है। इसके बाद हल्द्वानी में पूर्व सैनिक सम्मेलन और रुद्रपुर में पंजाबी गौरव सम्मेलन का कार्यक्रम है। इससे भाजपा की रणनीति का एक और पहलू सामने आता हैकृकि संगठनात्मक गतिविधियों को सामाजिक संपर्क अभियानों से जोड़ना। यानी पार्टी चुनाव की औपचारिक घोषणा से पहले ही अपने संपर्क अभियान को व्यापक सामाजिक आधार देने की कोशिश में है।

हल्द्वानी की बैठक ने भाजपा के मिशन-2027 का संकेत जरूर दिया है, लेकिन असली परीक्षा बैठकों के बाद शुरू होगी। बैठक में रणनीति बन सकती है, लक्ष्य तय हो सकते हैं और संगठन को दिशा दी जा सकती है, लेकिन चुनाव जनता के बीच लड़ा जाएगा। भाजपा के सामने अब सवाल सिर्फ सत्ता बचाने का नहीं, बल्कि लगातार तीसरी जीत के लिए जनता के मन में अपने पक्ष का भरोसा कायम रखने का है। हल्द्वानी की बैठक से निकला संदेश साफ है कि भाजपा चुनाव की तैयारी को अब अभियान में बदलने की ओर बढ़ रही है।

जनसेवा के दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें: डीएम

संवाददाता

देहरादून। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, देश के पूर्व गृहमंत्री एवं उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री, भारत रत्न पं. गोविंद बल्लभ पंत की 139वीं जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान सहित जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कार्मिकों ने पं. गोविंद बल्लभ पंत के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम, साहित्य, समाज सुधार एवं राष्ट्र निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान को स्मरण किया गया। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने कहा कि बहुआयामी प्रतिभा के धनी भारत रत्न पं. गोविंद बल्लभ पंत प्रखर चिंतक, दूरदर्शी एवं कुशल राजनेता थे। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम

के दौरान अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष करते हुए देश की आजादी के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा स्वतंत्रता के पश्चात एक आदर्श जनप्रतिनिधि एवं राजनेता के रूप में समाज और राष्ट्र के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया। उनके विचार, आदर्श और जनसेवा के प्रति समर्पण आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आवश्यकता है कि प्रत्येक नागरिक पं. पंत के आदर्शों एवं पदचिह्नों से प्रेरणा लेते हुए अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करे। राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं स्वतंत्रता को अक्षुण्ण बनाए रखने में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उत्तराखण्ड को-ऑपरेटिव बैंक में लाखों का गबन करने वाला गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड को-ऑपरेटिव बैंक से लाखों के गबन के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार एसएस राणा सचिव/महाप्रबन्धक उत्तराखण्ड को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड निवासी लक्ष्मण झूला रोड़, ऋषिकेश, द्वारा कोतवाली ऋषिकेश में एक लिखित तहरीर दी की उत्तराखण्ड को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड लक्ष्मणझूला रोड़ ऋषिकेश में दैनिक जमा अभिकर्ता के रुप मे कार्य करने वाले दीपक बढ़ई द्वारा विभिन्न तिथियो में खाता-धारको से बैंक में रुपये जमा करने हेतु लिए गये पर उक्त धन राशि को बैंक में जमा न करते हुए कुल 12,31,458 रुपये का गबन किया गया। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना ऋषिकेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्रकरण की गंभीरता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा पंजीकृत अभियोग में त्वरित साक्ष्य संकलन की कार्यवाही करते हुए नामजद की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गये। जिस पर पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक साक्ष्य संकलन की कार्यवाही प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर दीपक बढई पुत्र उमेश बढई निवासी गोपेश्वर मंदिर, मार्ग चंद्रेश्वर नगर, ऋषिकेश, देहरादून, को उदय बाग विकासनगर से गिरफ्तार किया गया, जिसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

दूनघाटी में.. ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

2026 में देहरादून से जुड़े एक मामले में अग्निसुरक्षा कमियों के बावजूद फायर एनओसी जारी करने संबंधी जिलाधिकारी के आदेश को निरस्त किया था, जिससे अग्निसुरक्षा प्रमाणन में नियमों के पालन की गंभीरता सामने आती है।

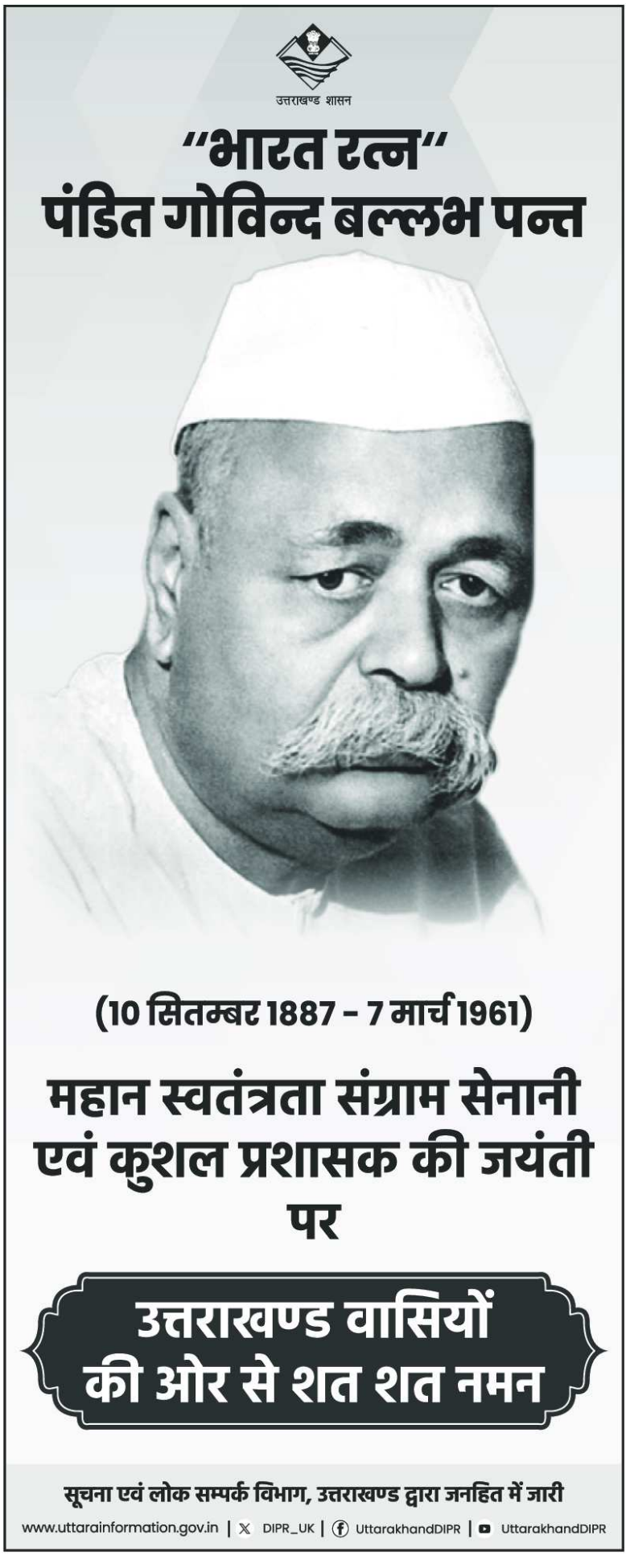

विधायक निधि खर्च में 5 मंत्री–मुख्यमंत्री धामी से पीछे!

◆वर्ष 2022–23 से जून 2026 तक विधायकों की 66 प्रतिशत विधायक निधि खर्च

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। उत्तराखण्ड के विधायकों का कार्यकाल पूर्ण होने में कुछ माह ही शेष है। लेकिन उन्हें प्राप्त हुई विधायक निधि में से 66 प्रतिशत विधायक निधि ही खर्च हुई हैं। उत्तराखंड के 5 मंत्री विधायक निधि खर्च में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से पीछे है।

काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन (एडवोकेट) ने उत्तराखंड के ग्राम्य विकास आयुक्त कार्यालय से विधायक निधि खर्च सम्बन्धी विवरणों की सूचना मांगी थी। इसके उत्तर में उपायुक्त (प्रशासन) हेमन्ती गुंजियाल ने अपने पत्रांक 319762 के साथ वर्तमान विधायक निधि विवरण की फोटो प्रति उपलब्ध करायी है।

उपलब्ध सूचना के अनुसार वर्ष 2022–23 से 2025–26 में माह जून 2026 तक 166400 लाख की विधायक निधि उपलब्ध हुई लेकिन इसमें से केवल 66 प्रतिशत 1,09129.19 लाख की विधायक निधि ही खर्च हुई है जबकि 34 प्रतिशत विधायक निधि खर्च होने को शेष हैं। उत्तराखंड सरकार के मंत्रियों के विधायक निधि खर्च को देखे तो 4 मंत्री मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से आगे हैं। इसमें सबसे अव्वल 77 प्रतिशत खर्च वाले रूड़की विधायक प्रदीप बत्रा, दूसरे स्थान पर 72 प्रतिशत विधायक निधि खर्च वाले सितारगंज विधायक सौरभ बहुगुणा, तीसरे स्थान पर 68 प्रतिशत खर्च वाले चौबट्टाखाल

विधायक सतपाल महाराज, चौथे स्थान पर 66.11 प्रतिशत खर्च वाले राजपुर रोड विधायक खजान दास, पांचवें स्थान पर 65.61 प्रतिशत खर्च वाले विधायक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी है। इसके अतिरिक्त छठे स्थान पर 65.45 प्रतिशत मंसूरी विधायक गणेश जोशी, सातवें स्थान पर 62 प्रतिशत भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा, आठवें स्थान पर 60 प्रतिशत सोमेश्वर विधायक रेखा आर्य, नवें स्थान पर 57 प्रतिशत खर्च वाले नरेन्द्र नगर विधायक सुबोध उनियाल तथा दसवें स्थान पर 37 प्रतिशत विधायक निधि खर्च वाले श्रीनगर विधायक धनसिंह रावत हैं।

उत्तराखंड में सर्वाधिक विधायक निधि खर्च करने वाले विधायकों में प्रथम स्थान पर 77 प्रतिशत खर्च करने वाले प्रदीप बत्रा तथा फुरकान अहमद दूसरे स्थान पर 76 प्रतिशत खर्च करने वाले रवि बहादुर, सरवत करीम, मदन सिंह बिष्ट, तीसरे स्थान पर 75 प्रतिशत खर्च वाले चन्दन राम दास, महेश सिंह जीना, चौथे स्थान पर 74 प्रतिशत खर्च वाले उमेश शर्मा, गोपल सिंह, सुमित हृदेयश, पांचवें स्थान पर 73 प्रतिशत खर्च वाले ब्रज भूषण गैरोला, आदेश सिंह (बी.एच.ई.एल.) अनुपमा रावत, राज कुमार पोरी, मोहन सिंह, डॉ0 मोहन सिंह (लालकुआं) तथा फकीर रामंता शामिल है। छठे स्थान पर 72 प्रतिशत खर्च वाले बंशीधर भगत, दीवान सिंह बिष्ट, वीरेन्द्र कुमार, सौरभ बहुगुणा, सातवें स्थान पर 71 प्रतिशत खर्च वाले ममता राकेश तथा त्रिलोक सिंह चीमा, आठवें स्थान पर 70 प्रतिशत खर्च वाले मदन कौशिक व अरविन्द पांडेय, नवें स्थान पर 69 प्रतिशत खर्च वाले विनोद कण्डारी, उमेश शर्मा, शहजाद, ऋतु खंडूरी, सरिता आर्य, तिलकराज बेहड़, भुवन चन्द्र, दसवें स्थान पर 68 प्रतिशत खर्च वाले सतपाल महाराज शामिल हैं।

◆सूचना अधिकार के तहत उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ खुलासा

उत्तराखंड के सबसे कम विधायक निधि खर्च होने वाले विधायकों में सबसे कम 30 प्रतिशत खर्च वाले किशोर उपाध्याय दूसरे स्थान पर 37 प्रतिशत खर्च वाले डा0 धनसिंह रावत, तीसरे स्थान पर 44 प्रतिशत खर्च वाले रेणु बिष्ट, चौथे स्थान पर 51 प्रतिशत खर्च वाले प्रीतम सिंह, पांचवें स्थान पर 52 प्रतिशत खर्च वाले सुरेश गड़िया छठे स्थान पर 53 प्रतिश वाले खुशाल सिंह, सातवें स्थान 54 प्रतिशत वाले प्रेम चन्द्र अग्रवाल, आठवें स्थान पर 55 प्रतिशत वाले यशपाल आर्य तथा शक्ति लाल शाह, नवें स्थान पर 56 प्रतिशत वाले प्रमोद नौटियाल, तथा दसवें स्थान पर 57 प्रतिशत खर्च वाली श्रीमति शैला रानी, भरत सिंह तथा सुबोध उनियाल शामिल शामिल है।

मुख्यमंत्री ने शहीद स्थल पहुंच किया शहीदों को नमन

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हल्द्वानी स्थित शहीद स्मारक पहुंचकर अमर शहीदों को नमन किया और पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों का बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा। राष्ट्र के प्रति उनका समर्पण, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि शहीद स्मारक भावी पीढ़ियों को राष्ट्रभक्ति और देश सेवा की प्रेरणा देता रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शहीदों के परिजनों के सम्मान एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट, सांसद अजय भट्ट सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मृत व्यक्ति की सड़क के गड्ढों ने लौटायी सांसें !

हमारे संवाददाता

देहरादून। तीर्थनगरी ऋषिकेश में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। एम्स के डॉक्टरों ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया था, जिसके बाद उसके अंतिम संस्कार की तैयारियां की जा रही थी। शव को श्मशान घाट ले जाने की तैयारी थी। तभी अंतिम यात्रा का वाहन अचानक सड़क के गड्ढे में धंसा और जोरदार झटका लगा। झटका लगने से मृत व्यक्ति की फिर से सांसे चलने लगी।

दरअसल, गीता नगर गली नंबर 5 के निवासी साईं राम को पहले किडनी फेल्योर और फिर हार्ट अटैक की समस्या हुई, एम्स के डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन उनके अंतिम संस्कार की

तैयारियों में जुट गए। इसके लिए उन्होंने मुक्तिधाम सेवा समिति से अंतिम यात्रा वाहन भी बुक कर लिया। लेकिन इसी दौरान जब एम्बुलेंस शव को लेकर श्यामपुर रेलवे फाटक के पास से गुजर रही थी, तभी सड़क के एक गहरे गड्ढे में एम्बुलेंस का पहिया गया और जोरदार झटका लगा। इस झटके के साथ ही मृत व्यक्ति ने अचानक अपनी आंखें खोल दीं और उनकी सांसें वापस चलने लगीं। मुक्तिधाम सेवा समिति के पंकज गुप्ता ने बताया कि एम्बुलेंस के गड्ढे में झटके से साईं राम जी की सांसें वापस लौट आई।

अचानक इस घटना के बाद परिजनों में नई उम्मीद जगी और वे फौरन साईंराम को उपचार के लिए एम्स ऋषिकेश ले गए। जहां उनका इलाज चल रहा है। इस घटना की चर्चा हर तरफ हो रही है। वहीं डॉक्टरों के रवैये पर भी सवाल उठ रहे हैं कि क्या डॉक्टरों ने जल्दबाजी में मरीज को देखा?

आपत्तिजनक पोस्ट के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आक्रोश

हमारे संवाददाता

देहरादून। सोशल मीडिया के माध्यम से राजनीतिक विरोधियों को बदनाम करने और उनके मान-सम्मान एवं चरित्र पर सवाल खड़े करने की बढ़ती प्रवृत्ति के खिलाफ आज उत्तराखंड कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में प्रदेश सचिव स्वाति नेगी संग पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक,देहरादून ग्रामीण जया बलूनी से मुलाकात कर 'वसूली अभियान मोर्चा' नामक सोशल मीडिया पेज के संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

कांग्रेस प्रदेश सचिव स्वाति नेगी ने कहा कि राजनीतिक विरोध अपनी जगह है, लेकिन किसी महिला के चरित्र और उसके पारिवारिक सम्मान को निशाना बनाना किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि वह एक विवाहिता हैं, उनका अपना परिवार और ससुराल पक्ष है। इसके

◆स्वाति नेगी संग एसएसपी कार्यालय पहुंचकर दी शिकायत

बावजूद सोशल मीडिया पर उनके राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन को लेकर जिस तरह की आपत्तिजनक टिप्पणियां और भ्रामक सामग्री प्रसारित की जा रही है, वह केवल उनका व्यक्तिगत अपमान नहीं बल्कि उनके पूरे परिवार की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाने का प्रयास है। स्वाति ने कहा कि यह पोस्ट सिर्फ उनका नहीं प्रताप नगर के सम्मानित विधायक विक्रम सिंह नेगी और पूर्व अध्यक्ष करन महरा जो कि दोनों ही उनके पिता समान हैं उनके मान सम्मान पर प्रश्न चिन्ह लगाता है।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि 28 दिसंबर 2025 को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर 'वसूली अभियान मोर्चा' के संचालक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने का प्रयास किया गया था, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उक्त सोशल मीडिया पेज द्वारा 28 फरवरी 2026 को पुनः कांग्रेस पार्टी एवं कांग्रेस नेताओं को निशाना बनाते हुए राजनीतिक एवं सामाजिक प्रतिष्ठा को धूमिल करने वाला वीडियो पोस्ट किया गया।

शिकायतकर्ताओं में मुख्य रूप से कांग्रेस उपाध्यक्ष वीरेंद्र पोखरियाल, मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी, देहरादून महानगर अध्यक्ष डॉक्टर जसविंदर गोगी, पार्षद कोमल बोरा ,पार्षद,एतात खान,रॉबिन त्यागी,पिया थापा,मोहन काला लकी राणा, मोहित मेहता, मोनी सहित कई लोग मौजूद रहे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।